बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 77 **दिनांक- 01- अक्टूबर 2024**

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.5 एवं 24.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 76 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29 एवं दोपहर में 34 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 34.7 मिमी वर्षा दर्ज की गयी ।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02-06 अक्टूबर 2024)

- **ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02-06 अक्टूबर ,2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-**
- **पूर्वानुमानित अवधि में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में आसमान में हल्के बादल रहने का अनुमान है।**
- **इस अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 10-14 किमी/घंटा की रप्तार से अगले 2 दिन पछिया एवं उसके बाद पूरबा हवा चल हवा चल सकती है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
धान	धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है । इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए कार्बारिल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10-15 किलोग्राम की दर से आसमान साफ रहने पर भूरकाव 8 बजे सुबह से पहले अथवा 5 बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खेतों के आस-पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव अवश्य करें।
अरहर	सितंबर अरहर की फसल में निकाई-गुराई तथा बछनी करें। जून-जूलाई में बोयी गई अरहर में कीट-व्याधि का निरीक्षण करें।
मिर्च	मिर्च की फसल में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मि.ली. प्रति 3 लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन आसमान साफ रहने पर हीं करें। कीट एवं रोग व्याधि की निगरानी फसल में नियमित रुप से करें।
बैगन	बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। अगात रोपी गई बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो कार्बोफ्यूरान 48 ई0सी0 1 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करें।
फूलगोभी	सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है।
पशुपालन	पशुओं को खनिज मिश्रण 50 ग्राम से 60 ग्राम प्रतिदिन दें जिसे पशु की दुग्ध और शारीरिक क्षमता बनी रहें। पशुओं को तालाब का गन्दा पानी न पिलायें। चारे की फसल से अधिक उत्पादन लेने के लिए उचित समय पर सिंचाई करें। मक्का बिजाई से 40-50 दिन और ज्वार 50-60 दिन बाद पशुओं को खिलाने पर भरपूर मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलते है। गाय को 400 ग्राम दाना / किलो दूध उत्पादन एवं भैस का 500 ग्राम दाना / किलो दूध उत्पादन की दर से दें। हरा चारा 20-25 किलो/पशु/दिन जरुर खिलाये। पशु को 50 ग्राम खाने वाला सोडा एवं 30 ग्राम नमक प्रति दिन खिलाये।

आज का अधिकतम तापमानः 33 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	**आज का न्यूनतम तापमानः 26 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक**

(डा. नेहा पारीक)
वैज्ञानिक (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

(डा. बीरेंद्र कुमार)
नोडल पदाधिकारी (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)